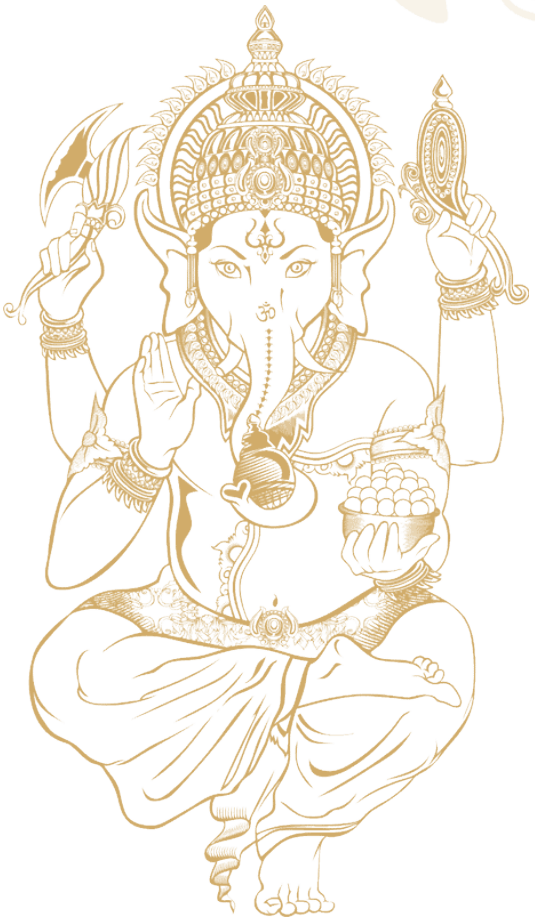

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119444803

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
20/03/1998	जन्म तिथि	25/06/2001
शुक्रवार	दिन	सोमवार
घंटे 21:42:00	जन्म समय	17:03:00 घंटे
घटी 38:58:26	जन्म समय(घटी)	29:37:24 घटी
India	देश	India
Pratapgarh	स्थान	Sitapur
25:52:00 उत्तर	अक्षांश	25:11:00 उत्तर
82:02:00 पूर्व	रेखांश	80:52:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:01:52	स्थानिक संस्कार	-00:06:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:06:37	सूर्योदय	05:18:13
18:12:42	सूर्यास्त	18:59:59
23:49:50	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:23

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
बुध 1वर्ष 11मा 10दि	23:10:44	तुला	लग्न	वृश्चि	14:49:34	केतु 4वर्ष 6मा 18दि
शुक्र	06:00:58	मीन	सूर्य	मिथु	10:06:02	शुक्र
01/03/2007	28:28:28	वृश्चि	चंद्र	सिंह	04:39:52	13/01/2006
01/03/2027	18:29:30	मीन	मंगल व	वृश्चि	25:09:46	13/01/2026
शुक्र 30/06/2010	24:23:09	मीन	बुध व	वृष	27:40:54	शुक्र 14/05/2009
सूर्य 30/06/2011	16:44:32	कुंभ	गुरु	मिथु	02:09:49	सूर्य 14/05/2010
चन्द्र 28/02/2013	19:44:47	मक	शुक्र	मेष	25:13:30	चन्द्र 13/01/2012
मंगल 30/04/2014	26:32:25	मीन	शनि	वृष	14:24:45	मंगल 14/03/2013
राहु 30/04/2017	16:30:44	सिंह व	राहु	मिथु	12:29:03	राहु 14/03/2016
गुरु 30/12/2019	16:30:44	कुंभ व	केतु	धनु	12:29:03	गुरु 13/11/2018
शनि 01/03/2023	17:35:10	मक	हर्ष व	कुंभ	00:40:56	शनि 13/01/2022
बुध 30/12/2025	07:47:31	मक	नेप व	मक	14:23:13	बुध 12/11/2024
केतु 01/03/2027	14:12:27	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	19:29:54	केतु 13/01/2026

लग्न-चलित

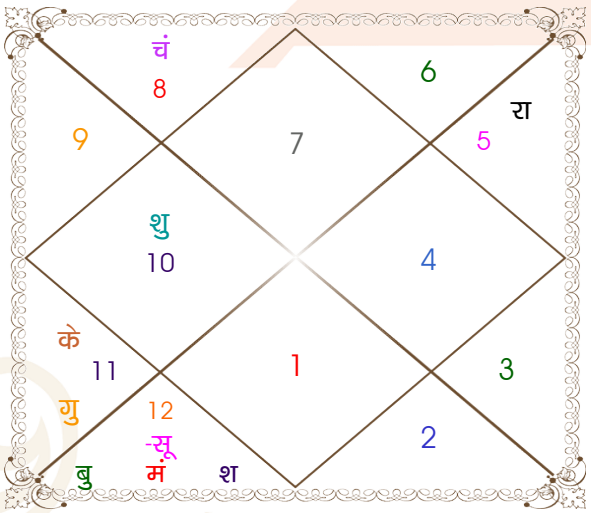

लग्न-चलित

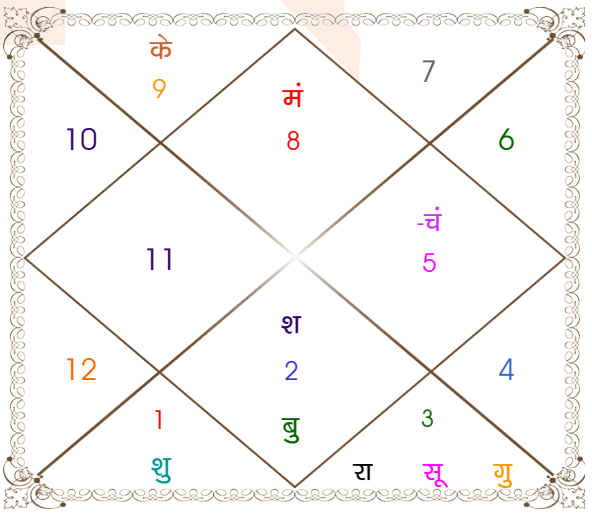

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	वनचर	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मृग	मूषक	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	सूर्य	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	सिंह	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	32.00		

Mr. का वर्ग मृग है तथा Ms. का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mr. कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।